Lor=rk fnol d 'kHk volj ij Mkå jke'oj fl g] dyifr] fcgkj i'k foKku fo'ofo|ky;] iVuk dk vfHkHkk"k.k

मेरे प्यारे सभी अधिकारियों, शिक्षक बन्धुओं, छात्रगण एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारी भाईयों एवं बहनों; देश के 71वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मैं आप सब को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ ।

इन 70 सालों में हमनें अपने लोकतंत्र को अक्षुण रखा। हमारे संविधान ने हमें ताकत दी है, विश्वास दिया है, भरोसा दिया है। सभी नागरिक मिलकर देश को नई ऊँचाईयों पर ले जाने के लिए प्रयत्नशील हैं। आज के दिन हम उन महापुरूषों को याद करते हैं, उन शहिदों को नमन करते हैं, जिन्होंने देश की आजादी प्राप्त करने के लिए अनेको-एक बलिदान दिए। महात्मा गाँधी जी ने सत्य एवं अहिंसा का पालन करते हुए पूरे विश्व को सत्याग्रह की नई राह दिखाई। सरदार पटेल, लाला लाजपत राय, डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, सरदार भगत सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल, सुभाष चन्द्र बोस, पं० जवाहर लाल नेहरू, बाबू कुँअर सिंह, श्री कृष्ण सिंह, जय प्रकाश नारायण, जगजीवन राम और अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर हमें विदेशी ताकतों से स्वतंत्रता दिलवाई। हजारों देशभक्तों ने अपने प्राण न्योछावर किए, जेलों में रहे,

तरह—तरह की यातनायें सही, फिर भी वे अपने संकल्प पर डटे रहे और हमें आजादी दिलवाई।

इन 70 सालों में हमने नई ऊँचाईयों को छुआ है। मैं इनमें से कुछ विषयों पर अपनी बात रखना चाहूँगा। आज हमें गर्व है कि हम दुनिया के सबसे बड़े प्रजातंत्र में रहते हैं। यह सबसे बड़ी बात है कि अनेकों सरकारें शान्तिपूर्ण तरीके से मतदान के द्वारा चुनी गई। आजादी के बाद से आज तक सेना या पुलिस का सरकार बनाने में कोई हस्तक्षेप नहीं रहा। 1962, 1965 और 1971 में विदेशी ताकतों ने हमपर लड़ाईयाँ थोपी, हमारे देश के जवानों ने उनका वीरता से सामना किया, भीतरघात की अनेकों पीड़ा सह कर भी हमारा देश दुनिया के सामने एक शक्तिशाली राष्ट्र के स्वरूप में खड़ा हुआ है। आज हमारी सेनायें हर तरह की चुनौती के लिए तैयार है। हमारे पास अणुशक्ति है, दुनिया के सबसे बेहतरीन मिसाईल सिस्टम हमारे पास है। अन्तरिक्ष विज्ञान में हमने अपने दम पर अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की है। चन्द्रयान और मंगलयान जैसे अंतरीक्ष मिशन पूरे कर के हमारे वैज्ञानिकों ने समूचे विश्व को चकित कर दिया है।

कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में हमने अनोखी प्रगति की है। आजादी के समय हमें अनाज बाहर से मँगवाना पड़ता था तथा अन्य देशों की सहायता पर निर्भर रहना पड़ता था। हमारे वैज्ञानिकों, किसानों तथा नीति-निर्माताओं नें मिलकर हरित क्रान्ति प्राप्त की, जिसे पूरे विश्व में सराहा गया। आज हमारे पास

अनाज के पर्याप्त भण्डार हैं, अपनी आवश्यकता पूरी करने के अतिरिक्त हम विदेशों को अनाज निर्यात कर रहे हैं। हम चावल के सबसे बड़े निर्यातक देश बन गए हैं। फल–सब्जियाँ, दूध, कपास, दलहन, तिलहन, गेहूँ, चावल, गन्ना, चाय, आलू इत्यादि के उत्पादन में हम विश्व में पहले या दूसरे स्थान पर हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा की ओर हम निरन्तर प्रगति कर रहे हैं। हमे देश में औसत आयु को 32 वर्ष से बढ़ाकर 69 वर्ष करने में सफलता मिली है। पिछले कुछ वर्षों में देश से पोलियो जैसे खतरनाक रोग का निवारण सफलतापूर्वक किया गया है और से बहुत से विदेशी नागरीक भी हमारे देश की चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वालों में एक है। आज भारत को अपने आकार और सेवा क्षेत्र की गतिशीलता के कारण जाना जाता है। अब जब सेवा क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में आधे से अधिक योगदान कर रहा है तो यह भारतीय अर्थव्यावस्था के विकास की एक प्रमुख उपलब्धी है।

सबको शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बड़े कदम उठाये गए। 1950 में केवल 12 प्रतिशत भारतीय साक्षर थे, परन्तु आज 75 प्रतिशत देशवासी साक्षर हैं और पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने के लिए प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हैं। विद्या अर्जन हेतु नए शिक्षण संस्थानों का देश में विभिन्न स्थानों पर स्थापना किया जा रहा है।

हमारा नवगठित बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण अंग है, इस उपलब्धि पर मैं आप सब को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि हम सब मिलकर इस विश्वविद्यालय को विश्व स्तरीय बनाने हेतु कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेंगे और मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय आने वाले समय में पशु विज्ञान, डेयरी और मत्स्यकी के क्षेत्र में ज्ञान–विज्ञान का एक अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त केन्द्र बन सकेगा। यह विश्वविद्यालय राज्य में पशु चिकित्सा विज्ञान, पशुपालन, मत्स्य क्षेत्र, गव्य प्रौद्योगिकी, मुर्गी पालन तथा सहबद्ध शाखाओं में शिक्षा प्रदान करने, शोध का संचालन करने एवं शिक्षण पद्धतियों में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित करने हेतु स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक तंत्र को निर्मित करने का कार्य प्रगति पर है, प्रबन्ध बोर्ड का गठन सरकार द्वारा किया जा रहा है, ऐकैडमिक परिषद्, शोध परिषद् तथा शिक्षा प्रसार परिषद् का गठन कर दिया गया है। विश्वविद्यालय हेतु नए पदों का सृजन किया जा रहा है। नए परिसर का विकास, विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक तथा आवासीय भवनों का निर्माण, परिसर का सौन्दर्यीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु विस्तृत योजना का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। हम सब के लिए यह गर्व की बात है कि हम सबको नए विश्वविद्यालय की स्थापना में भागीदारी का अवसर प्राप्त हुआ है। मैं सभी अधिकारियों से, कर्मचारियों से, छात्रों से अपेक्षा करता हूँ कि आप सब अपना कर्तव्य पालन

निष्ठापूर्वक करेंगे। नए विश्वविद्यालय में रचनात्मक वातावरण उत्पन्न करके शिक्षकों, वैज्ञानिकों तथा सभी कर्मियों को उच्च शिक्षा अर्जन करने तथा अपने सेवा क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ कर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर अनुसंधान कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। विद्यार्थीयों की शिक्षा हेतु सभी आवश्यक सुविधाओं में गुणात्मक सुधार किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए ई–गवर्नेस, ऐकैडमिक मैनेजमेन्ट, फाइनेन्शियल मैनेजमेन्ट, ई–सर्विलेन्स तथा ई–लर्निन्ग रिसोर्सेज का उपयोग किया जायेगा। प्रशासन में पारदर्शिता, सब की भागीदारी तथा समयबद्धता को सुनिश्चित किया जायेगा। नए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा व अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ किए जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश के युवकों, कृषकों, पशुपालकों को कार्य कुशल तथा उद्यमी बनाने हेतु कौशल विकास पर बल दिया जायेगा, इस क्षेत्र में पहल करते हुए Agriculture Skill Council of India के साथ 10 अगस्त, 2017 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। देश की अग्रणी संस्थाओं जैसे–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर तथा राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल एवं अन्य राज्यों के पशु विज्ञान क्षेत्र से संबध विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग के नए आयाम स्थापित किए जायेंगे। डिजिटल इंडिया के तहत इस विश्वविद्यालय में सुविधा मुहैया करायी जायेंगी। मत्स्यकी के क्षेत्र में

नए महाविद्यालय की स्थापना करने जा रही है। निर्देशात्मक पशुधन प्रक्षेत्र के आधुनिकीकरण करने हेतु निरंतर प्रयास करेंगे, जिससे विश्वविद्यालय अंतर्गत महाविद्यालय के छात्र–छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण मिल सके। विश्वविद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं को जल्द ही छात्रवृत्ति लाभ से लाभान्वित किया जायेगा।

नए विश्वविद्यालय के प्राँगण में हम पहली बार स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं आप सब का अभिनन्दन करता हूँ, अपनी शुभकामनायें देता हूँ और विश्वास करता हूँ कि हम सब मिलकर नए विश्वविद्यालय को असिमित ऊँचाईयों तक ले जा सकेंगे। आज वो समय आ गया है, वो रास्ता आ गया है, जिसमें हमें न केवल आगे बढ़ना है, अपितु एक उड़ान भरनी है, वो उड़ान भरनी है जो निर्णायक साबित हो और हम अपने सपनों का विश्वविद्यालय बना सकें, अपने सपनों का भारत बना सकें, इसी के साथ आप सब को पुनः स्वतंत्रता दिवस की बहुत–बहुत बधाई, अभिनन्दन, सभी स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहिदों को नमन करते हुए आप सब मेरे साथ जोर से बोलेंगे

जय हिन्द

जय हिन्द

जय हिन्द